पडोसियों के हुकूक

संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

नोट: यहां जो हुकूक बयान हुए है उनमे मुस्लिम और गैर मुस्लिम बराबर है.

१} बुखारी व मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने तीन बार फरमाया - अल्लाह की कसम वो ईमान नहीं रखता, पूछा गया ए अल्लाह के रसूल! कौन ईमान नहीं रखता? फरमाया की वो शख्स जिस्का पडोसी उस्की तकलीफो से महफूज़ ना रहे.

२} बुखारी व मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | रावी हज़रत आईशा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - की जिबरील (अल) मुझे पडोसी के साथ अच्छा व्यवहार करने की बराबर वसीयत करते रहे यहां तक की मेंने खयाल किया की पडोसी को

पडोसी का वारिस बना देंगे.

३} मिश्कात की रिवायत का खुलासा | राावी इबने अब्बास रदी.

रसूलुल्लाहﷺ को फरमाते हुवे सुना की मोमिन ऐसा नहीं होता है की खुद तो पेट भर कर खाए और उसका पडोसी जो उस्के पहलू में रहता है भूका रहे.

४} मुस्लिम की रिवायत का खुलासा.

रसूलुल्लाहﷺ ने अबू ज़र से फरमाया - ए अबू ज़र जब तू शोरबा पकाए तो कुछ पानी ज्यादा कर दे और अपने पडोसियों की खबरगीरी कर.

५} बुखारी व मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.

औरतों का जेहन ये होता है की कोई मामूली चीझ अपनी पडोसन के घर भेजना पसन्द नहीं करती, उन्की ख्वाहिश ये होती है की उन्के यहां कोई अच्छी चीझ भेझे.

इसलिए रसूलुल्लाहﷺ ने औरतों को हिदायत फरमाई की

छोटा से छोटा तोहफा भी अपने पडोसियों के यहां भेझो, और जिन औरतों के पास पडोस से हदिया आए और वो मामूली हो तो भी उन्हें मोहब्बत से ले लेना चाहिए, उस्को ना तो कमतर समझें और ना उसमे किसी तरह की कोई खामी निकाले.

६} बुखारी की रिवायत का खुलासा | रावी हज़रत आईशा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ से पूछा की मेरे दो पडोसी है तो उन मेंसे किस के यहां हदिया भेझु? आपﷺ ने फरमाया उस पडोसी के यहां जिस्का दरवाज़ा तेरे दरवाज़े से ज्यादा करीब हो.

पडोस का दायरा आस-पास के चालीस घरों तक है और उन मेसे सब्से ज्यादा हकदार वो है जिस्का घर सब्से करीब हो.

७} मिश्कात की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.

एक आदमी ने रसूलुल्लाहﷺ से कहा की फलां औरत बहुत ज्यादा नफील नमाज़े पढती, नफील रोज़े रखती और दान

करती है, और उस लिहाज़ से वो मशहूर है लेकिन अपने पडोसियों को अपनी ज़ुबान से तकलीफ पहुंचाती है, आपﷺ ने फरमाया की वो जहन्नम में जाएंगी.

इस आदमी ने फिर कहा की ए अल्लाह के रसूल! फलां औरत के बारे में बयान किया जाता है की वो कम नफील रोज़े रखती है और बहुत कम नफील नमाज़ पढती है और पनीर के कुछ टुकडे सदका करती है लेकिन अपनी ज़ुबान से पडोसियों को तकलीफ नहीं पहुंचाती, आपﷺ ने फरमाया की वो जन्नत में जाएंगी.

पहली औरत जहन्नम में इसलिए जाएंगी की उसने बन्दों के हुकूक मारे है पडोसी के हुकूक ये है की उसे तकलीफ ना दी जाए और उसने ये हक अदा ना किया, और दुनिया में उसने अपने पडोसी से माफी भी नहीं मांगी इसलिए उसे जहन्नम ही में जाना चाहिए.

८} मिश्कात की रिवायत का खुलासा |

उकबा बिन आमिर रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - जिन दो आदमियों का मुकद्दमा कयामत के दिन सब्से पहले पेश किया जाएगा वो दो पडोसी होगे.

यानी कयामत में बन्दों के हुकूक के सिलसिले में सब्से पहले अल्लाह के सामने दो शख्स पेश होगे जो दुनिया में एक दूसरे के पडोसी रहे और एक ने दूसरे के सताया और जुल्म किया. इन दोनो का मुकद्दमा सब्से पहले पेश होगा.